पद २१३

(राग: यमन जिल्हा - ताल: त्रिताल)

मथुरेसी गेला यदुवीर ।।ध्रु.।। रामकृष्ण रथीं अक्रूर सारथी। वारू चाले क्षण नसे धीर।।१।। तोडुनि माया तांतडी जाया। सुटे जैसा कमठेहुनी तीर।।२।। माणिक प्रभुविण व्यर्थचि हें जिणें। तडफडे मीन नसे नीर।।३।।